

हुंडावन स्त्री. (तद्.) हुंडी लिखने का मेहनताना या दस्तूरी।

हुंडिका स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन काल में सेना के निर्वाह के लिए दिया जाने वाला आदेश-पत्र 2. हुंडी।

हुंडी स्त्री. (तत्.) 1. महाजनी पद्धति में लिखा जाने वाला ऋणपत्र, जिसमें अधमर्ण (ऋण लेने वाला) उत्तमर्ण (ऋण दाता) को यह लिखकर देता था कि अमुक तिथि तक वह संपूर्ण राशि ब्याज सहित वापस कर देगा 2. किसी महाजन, बैंक आदि को दिया गया आदेशपत्र, जिसमें पत्रवाहक को निश्चित भुगतान करने का आदेश हो।

हुंडी-बही स्त्री. (तत्.+देश.) वह बही या किताब जिसमें हुंडियों की नकल और विवरण दर्ज रहता है।

हुंडी-बेंत पुं. (देश.) बेंत का एक प्रकार, मयूरी बेंत।

हुंबा पुं. (देश.) समुद्र की लहर जो जलस्तर बढ़ा देती है, ज्वार।

हुंभी स्त्री. (तद्.) गाय के रँभाने का शब्द।

हुँ अव्य. (तद्.) सकारात्मक या स्वीकारात्मक ध्वनि टि. श्रोता द्वारा 'हुँ' की ध्वनि इस बात की सूचक है कि बात सुनी जा रही है **अव्य.** (देश.) भी जैसे- हमहुँ।

हुँकना अ.क्रि. (देश.) हुँकारना।

हुँकारना अ.क्रि. (तद्.) 1. हुँकारना, जोर से बोलना, डाँटना 2. ललकारना।

हुँकारी स्त्री. (तद्.) 'हुँ' 'हुँ' की ध्वनि, स्वीकृति।

हुँत पुं. (तद्.) से जैसे- 'तब हुँत तुम बिन रहै न जीऊ' -जायसी।

हुँते पुं. (तद्.) 1. से, द्वारा 2. ओर से।

हुअ पुं. (तद्.) अग्नि।

हुआँ पुं. (देश.अनु.) गीदड़ के बोलने की ध्वनि **अव्य.** वहाँ।

हु पर. (देश.) भी जैसे- हमहु, तुम्हहु।

हुआ अ.क्रि. (देश.) 'होना' क्रिया का भूतकालिक कृदंत रूप।

हुआना अ.क्रि. (देश.) गीदड़ों द्वारा ध्वनि करना।

हुक पुं. (अं.) 1. काँटा, कोई वस्तु टाँगने या फँसाने के लिए लोहा आदि का मुड़ा हुआ काँटा या कील 2. मछली पकड़ने का हुक, अंकुश 3. किसी भारी चीज को खींचने या उठाने के लिए इस प्रकार की मशीनों में लगा अंकुश **स्त्री.** (देश.) नस मुड़ने या झटका खाने के कारण कमर, पीठ या किसी अंग में अचानक उठने वाला दर्द, हूल, हूक।

हुकना अ.क्रि. (देश.) 1. विस्मृत होना, भूल जाना 2. वार का निशाना चूकना पुं. सोहन या सोन चिड़िया नामक पक्षी।

हुकर-पुकर स्त्री. (अनु.) कलेजे की धड़कन, दिल की घबराहट, बेचैनी।

हुकारना अ.क्रि. (तत्.) 1. डाँटने डपटने के लिए जोर का शब्द करना 2. ललकारना 3. जोर से चिल्लाना, क्रोधपूर्ण आवाज।

हुकूमत स्त्री. (अर.) 1. शासन, राजकीय व्यवस्था 2. वह अवस्था जिसमें किसी पर कोई हुक्म चलाया जाता हो।

हुक्का पुं. (अर.) तंबाकू का धुआँ पीने या खींचने के लिए बना एक विशेष प्रकार का उपकरण जिसमें दो नलियाँ होती हैं, पानी भरे बंद बर्तन या नारियल-नुमा उपकरण में एक नली सामने होती है जिसे मुँह में लगाकर धुआँ खींचा जाता है और दूसरी नली सीधी होती है जिसके ऊपर जलते हुए तंबाकू की चिलम रखी जाती है। गुड़गुड़ी, नारियल, फरसी आदि इसके कई रूप हैं।

हुक्का-पानी पुं. (अर.) हिंदू जाति-बिरादरी के लोगों में एक दूसरे के हाथ से हुक्का लेकर तंबाकू पीने और पानी पीने का व्यवहार, मेलजोल या समानता का प्रतीक, हुक्का पानी बंद करने का अर्थ है जाति बिरादरी से बहिष्कृत करना या संबंध तोड़ना।